आईआईएम रांची का नौवां स्थापना दिवस मना, 44 बच्चों के साथ शुरू हुआ यह संस्थान आज 500 विद्यार्थियों को बना रहा हुनरमंद

सफलता का पैमाना पैसा नहीं, सामाजिक योगदान है: राज्यपाल

रांची | वरीय संवाददाता

आईआईएम रांची का नौवां स्थापना दिवस समारोह शुक्रवार को मनाया गया। खेलगांव के रामदयाल मुंडा कला भवन में आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू मुख्य अतिथि थीं। विशिष्ट अतिथि के रूप में शासी निकाय के अध्यक्ष प्रवीण शंकर पंड्या और राजभवन के मुख्य सचिव एसके सत्पथी शामिल हुए।

राज्यपाल ने कहा, यह संस्थान अपने शुरुआती दिनों में है और इसमें बेहतर करने की काफी क्षमता है। उन्होंने विद्यार्थियों से समाज को बेहतर बनाने में योगदान देने की अपील की। उन्होंने कहा कि आपकी सफलता इस बात से नहीं तय होगी कि आप कितने धनी हैं, बल्कि आप लोगों के प्रति कितने जवाबदेह हैं और उनकी बेहतरी के लिए आपने क्या किया है, इससे तय होगी। उन्होंने कहा सरकार की ओर से चलाए जा रहे मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया जैसे कार्यक्रम काफी मददगार साबित हो सकते हैं।

आईआईएम में आयोजित समारोह में उपस्थित राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू व अन्य।

आईआईएम रांची के निदेशक डॉ. शैलेन्द्र सिंह ने संस्थान की उपलब्धियों का रिपोर्ट कार्ड पेश किया। कहा, 44 बच्चों के साथ शुरू हुआ यह संस्थान आज 500 विद्यार्थियों को हुनरमंद बना रहा है।

समारोह के अवसर पर विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

माइनिंग पॉलिसी पर करें काम

शासी निकाय के अध्यक्ष प्रवीण शंकर पांड्या ने कहा कि झारखंड में खनिज संपदाओं का अपार भंडार है। इसके बाद भी हम अन्य देशों से इसमें काफी पिछड़े हुए हैं। ऑस्ट्रेलिया जैसा देश हमसे आगे हैं। आज जरूरत है इस पर शोध की। आखिर हमारी नीतियों में क्या कमी है कि हम पिछड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि आईआईएम रांची के छात्रों के लिए काफी बेहतर मौका है कि वे इस पर काम करें और सरकार को एक बेहतर पॉलिसी बनाकर दें।

पुराने- नए गानों से समां बांधा

कार्यक्रम के आखिर में सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ। इसमें संस्थान के विद्यार्थियों ने पुराने और नए गानों पर प्रस्तुति दी। शुरुआत क्लासिकल गाने पर धमाकेदार प्रस्तुति से हुई। इसके बाद ब्लरी भामिक और सामिता नंदी ने चंदा को ताकूं रातों को...हमको मिली है ये घड़ियां नसीब से... जैसे गानों पर प्रस्तुति दी। आखिरी धमाकेदार प्रस्तुति दी संस्थान के ड्रामेबाज ग्रुप ने। इन्होंने गली-गली तेरी राह चली... कि आज मेरा दिल करता...हो छम्मा-छम्मा बाजे रे पैजनियां...टन टनाटन टन टन टारा पर अपनी प्रस्तुति से जमकर तालियां बटोरीं ।

Hindustan, 16.12.2017, Pg. 20